Monday

Vijay Kumar Jha
Assot Prof.
Deptt in History
V.S.J. College Rajnagar.
Degree Part III
Paper - VII

American Civil War.

अमेरिका के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के मध्य 1861 ई० में हुये मन-मुटाव को अमेरिकी गृह युद्ध के नाम से जाना जाता है। उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के बीच ये मन मुटाव लम्बे समय से कई कारण वश चला आ रहा था किन्तु इसका मूल कारण दास प्रथा था। दक्षिणी राज्यों के लोग दास प्रथा के समर्थक थे तो उत्तरी राज्यों के लोग दास प्रथा के विरोधी अतः दोनों राज्यों के बीच मनोमालिन्य बढ़ता ही गया। किंतु दक्षिणी अमेरिका कि हार हुई और उसने संयुक्त अलग संघ Confederation of America नामक एक नया संघ बना लिया और जिसके लिये अलग प्रशासनिक व्यवस्था किया गया। यह घटना ऐसे समय घटी जब अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति तो निर्वाचित हुये किंतु वे शपथ ग्रहण भी नहीं कर पाये थे। दक्षिणी अमेरिका कि हार के बाद उन्हें उन शर्तों को मानना पड़ा जिससे बचने के लिये वे संघ छोड़े थे। दक्षिणी अमेरिका ने इसे अपमान समझा और गृह युद्ध कि पृष्ठभूमि तैयार हुआ।

युद्ध के अन्य निम्नलिखित कारण थे जो गृह युद्ध के क्षेत्र तैयार किये

(1) दास प्रथा :- अमेरिका में 1850 ई० में लगभग 32 लाख दासों कि संख्या थी जिनकी स्थिति अत्यन्त दयनीय था। दासों के पास दासता से मुक्त होने, प्रगति करने एवं शिक्षा प्राप्त करने का कोई अवसर नहीं था। दास पूर्णतः अपने स्वामी के इच्छा पर जीवन व्यतीत करते थे। प्रत्येक राज्य अपनी सिद्धान्तों से समझौता करना नहीं चाहते थे जैसे दक्षिणी राज्य दास प्रथा रखना चाहते थे तो उत्तरी राज्य उसका विरोध करते थे।

(2.) अमेरिका का भौतिक विभाजन :- अमेरिका कई खंडों में बंटा था सब का जलवायु, जाति, लक्ष्य, आदर्श अलग-अलग था समें

अपने सिद्धान्तों से अलग होना नहीं चाहते थे स्वार्थ के टकराव में गृह युद्ध अवश्यम्भावी था।
(3) उत्तेजक संभावना :— उत्तरी और दक्षिणी राज्य परस्पर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करते थे। आलोचना और अपमानजनक ढंग से ही कीया जाता था फलतः घृणा का वातावरण बढ़ा। उत्तरी राज्य भय और आतंक को प्रश्रय दे रहे थे। लिंकन संशंकित हुआ कि दक्षिणी राज्यो के दास प्रथा के समर्थन से कहीं समस्त देश में दास प्रथा न फैल जाय। उत्तर के विभिन्न पत्रकारों, पादरियों और राजनीतिज्ञो ने दास प्रथा कि बुराइयों का और विस्तार करा दिया।
(4) रीपब्लिकन पार्टी कि स्थापना :— 1854-55 ई० में रिपब्लिकन पार्टी कि स्थापना हुई ये पार्टी दास प्रथा के विरोधी थे। इसका मूल उद्देश्य अमेरिका को दासों से मुक्त करना था। इस दल के उत्तरी राज्यों के अतिरिक्त पूर्व के व्यापारियों एवं पश्चिम के किसानों का समर्थन प्राप्त हो गया। 1860 ई० के राष्ट्रपति के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार अब्राहम लिंकन को बनाया जो दास प्रथा के विरोधी थे।
(5) लिंकन का राष्ट्रपति बनना :— लिंकन को राष्ट्रपति निर्वाचित होते ही दक्षिणी राज्य भयभीत हो गये। के अब उनकी संस्थाए तथा लक्ष्य समाप्त हो जायेगें अतः दक्षिणी राज्य संघ से अलग होना चाहा और 1860 ई० में दक्षिणी कैरोलिना राज्य ने स्वयं को संघ से अलग कर लिया इस राज्यों ने मिलकर एक दक्षिणी परिसंघ बनाया और जेफरसन डेविस को अपना राष्ट्रपति चुना। दक्षिणी राज्यों के इस क्रिया कलाप से उत्तरी राज्य खिन्न हो गये और इसे राष्ट्रविरोधी माना। दक्षिणी राज्य कैरोलीना के अतिरिक्त मिसीसीपी, फ्लोरिडा, अलबामा, जार्जिया, लुइसियाना, टेक्सास आदि संघ से अलग हो गये और सभी ~~Co~~ Southern Confederacy परिसंघ बनाया जिसका अलग संविधान बना। दोनों राज्यों के संविधान में एक रुपता नहीं थी जिससे दोनों राज्यों में टकराव का वातावरण फैला। दक्षिणी राज्यों के इन विद्रोहियों के विरुद्ध शस्त्र का भी सहारा लेना पड़ा।
(6) आर्थिक लक्ष्य :— यदि स्वतंत्र दक्षिणी परिसंघ ग्रेट ब्रिटेन से सम्बन्ध बना लेता तो अमेरिकी व्यापार का प्रमुख बाजार संघ से छीन जाता। अतः संघ कि रक्षार्थ लिंकन को उत्तर पूर्व के

व्यापारियों के अपेक्षा मध्य पश्चिम के किसानों का आर्थिक समर्थन प्राप्त हुआ अतः किसी भी कीमत पर उत्तरी राज्य आर्थिक हितों की रक्षा करना चाहता था

(7) प्रजातंत्र के आदर्शों की रक्षा हेतु :- उत्तर अमेरिका के लोग प्रजातंत्र की रक्षार्थ कटिबद्ध थे स्वयं लिंकन ने प्रजातंत्र को खतरे में बताया वह नहीं चाहता था कि किसी भी हालत में अल्पसंख्यक सरकार से प्रजातंत्र कि नींव हिल जाय। यद्यपि लिंकन सशस्त्र संघर्ष नहीं चाहता था। लिंकन ने 75000 स्वयं सेवकों को संयुक्त राज्य के कानून को लागू करने हेतु तैनात। कैरे और पारसिंध के तटों को नाकेबन्दी कर दिया। इस प्रकार अमेरिकी गृह युद्ध 12 अप्रैल 1861 ई० को प्रारम्भ हो गया। दोनों पक्ष विजय कि आशा में थे भौतिक दृष्टि से उत्तरी राज्यों कि स्थिति अच्छी थी इनमें राज्यों कि संख्या 23 थी जबकि दक्षिणी राज्यों में मात्र 11 राज्य ही थे उत्तरी राज्यों कि सामरिक स्थिति दक्षिणी राज्यों कि अपेक्षा अच्छी थी उत्तरी राज्य कूटनीति का भी सहारा लिया और अपने उद्देश्य कि प्राप्त कि। उत्तरी राज्यों के नौ सैनिक नायक डेविड फैरागार ने दक्षिणी राज्यों के प्रमुख नगर मिसिसिपी को आत्मसमर्पण के लिये बाध्य किया यह उत्तरी राज्य कि एक बड़ी सफलता थी और इसी तरह उत्तरी राज्य क्रमशः सफलता कि ओर बढ़ता गया। अन्ततः अप्रैल 1865 ई० को दक्षिणी राज्य के सैनिक प्रमुख राबर्ट ई० ली० को आत्म समर्पण करना पड़ा और इसके साथ ही यह गृह युद्ध समाप्त हो गया।

अमेरिका के ये गृह युद्ध सम्प्रभुता बनाये रखने एवं दास प्रथा के समाप्ति में सफल माना जाता। यह गृह युद्ध ने प्रमाणित कर दिया कि किसी भी राज्य को संघ से अलग हो जाने का अधिकार नहीं था। 1863 ई० में लिंकन ने एक मुक्ति घोषणा पत्र जारी कर विद्रोही राज्यों के दासों को मुक्त कर दिया तथा एक Civil Rights Bill पास किया और एक Freedom beaurau कि स्थापना कि।